UP Board Notes Class 8 Hindi Chapter 6 महाकवि कालिदास (महान व्यक्तित्व)

पाठ का सारांश

संस्कृत के महान कवि कालिदास के जन्म और माता-पिता के विषय में कुछ ज्ञात नहीं है। कहते हैं कि इनकी पत्नी विद्योत्तमा की प्रेरणा से कालिदास ने माँ काली की उपासना की जिससे उन्हें कवित्व शक्ति प्राप्त हुई। महाकवि कालिदास गुप्तवंश के शासक चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य के

राजकवि और नवरत्नों में से एक थे। ये शिवभक्त थे। इनकी रचनाएँ हैं- रघुवंशम्, कुमारसम्भव (दो महाकाव्य), अभिज्ञानशाकुन्तलम्, विक्रमोर्वशीयम्, मालविकाग्निमित्र (तीन नाटक), ऋतु संहार और मेघदूतम् (दो खण्डकाव्य)। उन्होंने वेदों, उपनिषदों, दर्शनों, रामायण, महाभारत, गीता, पुराणों, शास्त्रीय संगीत, ज्योतिष, व्याकरण एवं छन्दशास्त्र आदि का गहन अध्ययन किया था।

महाकवि कालिदास अपनी रचनाओं के लिए विश्वप्रसिद्ध हैं। अपने नाटक 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' नाटक के कारण ये भारत के ही नहीं वरन् विश्व के श्रेष्ठ नाटककार माने जाते हैं। भारतीय समालोचकों के अनुसार 'अभिज्ञानशाकुन्तलम् सभी नाटकों में सर्वश्रेष्ठ है। जर्मनी के प्रसिद्ध विद्वान गेटे इस नाटक को पढ़कर भाव विभोर हो उठे।

महाकवि कालिदास को भारत का शेक्सपियर कहा जाता है। उनके काव्य और नाटक बाद के कवियों के लिए अनुकरणीय हैं। उनके द्वारा साहित्य में दी गई उपमाएँ आज भी सर्वश्रेष्ठ और मान्य हैं।

https://www.evidyarthi.in/